मुंबई विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

विश्वरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की 125 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में

आयोजित द्वि–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक : 28–29 मार्च 2016

विषय : डॉ.आंबेडकर की विचारधारा और वैश्विक साहित्य

संयोजक
डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
मो.नं. 07738898895
09975807915

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
डॉ. विष्णु आर. सरवदे
मो.नं. 08080819005
09869379534

निवेदन

आंबेडकर की विचारधारा वैश्विक मूल्यों के लिए संकल्पबद्ध आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

विश्वरत्न महामानव डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की 125 वीं जयंती के उपलक्ष्य में हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी का लक्ष्य यह है कि विश्वभर में साहित्य का सम्बन्ध मानवतावादी एवं समतावादी समाज की स्थापना को विकसित करने का है। विश्वरत्न डॉ. बाबासाहब का ज्ञान के विकास संबंधी दृष्टी एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण भूमिका को संपूर्ण दुनिया स्वीकार रही है। विश्व के चुनिंदा विद्वानों की श्रेणी में इन्हें रखा जाता है। आधुनिक भारत के एक महत्वपूर्ण निर्माता एवं अपने विश्वविद्यालय के मेधावी छात्र होने के नाते यह आयोजन संपन्न होने जा रहा है।

दुनियाभर में उत्पीड़ितों का साहित्य 20 वीं सदी के अंतिम दौर में विकसित हो चुका है। विभिन्न राष्ट्रों के संदर्भ में उसको विभिन्न नामों से जाना–पहचाना जाता है। ब्लैक लिटरेचर या अश्वेत साहित्य के संदर्भों को भारतीय दलित साहित्य से जोड़कर देखेंगे तो साम्राज्यवादियों ने, पूँजीवादियों ने, जात–वर्चस्व की भावना रखनेवाले उच्चवर्गों वर्णों ने अर्थात सवर्णों ने फिर चाहे वे भारत के हो या अमेरिका, ब्रिटन, अफ्रीका आदि राष्ट्रों के उन्होंने पीछड़ा वर्ग को कैसे दलित किया और उनका शोषण विभिन्न स्तरों पर किया है। इसलिए गुलामी की नरक यातनाओं को आज भी दलित भोग रहे हैं। डॉ. बाबासाहब ने कहा है, "गुलाम को गुलामगीरी से सचेत करो वह विद्रोह करेगा।" यह विद्रोह, नकार वर्चस्ववादी विचारधारा के खिलाफ है यही आंबेडकरी वैचारिकता या चेतना है। इसी के परिप्रेक्ष्य में चर्चा का आयोजन प्रासंगिक होगा ऐसा हमारा विश्वास है।

हिन्दी साहित्य के आरंभिक लेखन काल से दलित जीवन के यथार्थ वादी सूत्र जुड़े हुए हैं। चाहे वह आंबेडकर पूर्व कालखंड में महात्मा फुले द्वारा प्रेरित ब्राह्मण–अब्रह्मण संघर्ष हो, आर्यसमाज आंदोलन के रूप में हो, राष्ट्रीय काँग्रेस के आजादी के आंदोलन के रूप में हो या गांधीवाद के रूप में इसके विविध पहलुओं को जानना न केवल दिलचस्प होगा बल्कि ज्ञानवर्धक भी साबित होगा ऐसा भी हमें लगता है। आंबेडकर की विचारधारा वैश्विक मूल्यों के निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध है। इसलिए मनुष्य की स्वतंत्रता उसे अभिप्रेत है, सामाजिक विषमता को दूर करने के लिए समता आवश्यक है, समतापूर्ण समाज निर्मीत के लिए बंधुभाव की आवश्यकता है। इसी से एक धर्मनिरपेक्ष एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोन वाले समाज एवं राष्ट्र की संकल्पना को पूर्ण किया जा सकता है। आंबेडकर की विचारधारा ने साहित्य मूल्यांकन के नए मानदंड तैयार किए हैं। इसी के संदर्भों में दुनियाभर के साहित्य की परख संभव हो सकती है।

प्रतिभागी आलेख वाचकों से निवेदन है कि 15 मार्च 2016 तक अपने आलेख Kruti Dev 010 और PDF में vishnu.sarwade@yahoo.co.in इस इ–मेल पर भेजने का कष्ट करें।

संपर्क :

संयोजक
डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
मो.नं. 07738898895
09975807915

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
डॉ. विष्णु आर. सरवदे
मो.नं. 08080819005
09869379534

मुंबई विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

विश्वरत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की 125 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित

द्वि–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक : 28–29 मार्च 2016

विषय: डॉ. आंबेडकर की विचारधारा और वैश्विक साहित्य

दिनांक : 28 मार्च 2016

उद्घाटन सत्र	:	
(11:00 से 11:30)		
प्रथम सत्र	:	सैद्धांतिकी अम्बेडकरी विचारधारा और साहित्य की वैश्विकता
(11:40 से 1:30)		

भोजनावकाश — 1 : 30 से 2 : 00

द्वितीय सत्र	:	1. भारतीय दलित आंदोलन : आंबेडकर पूर्व
(2:00 से 3:30)		2. भारतीय दलित आंदोलन : आंबेडकरोत्तरकाल
तृतीय सत्र	:	1. भारतीय दलित साहित्य : आंबेडकर पूर्व
(3:30 से 5:00)		2. भारतीय दलित साहित्य : आंबेडकरोत्तर

दिनांक : 29 मार्च 2016

चतुर्थ सत्र	:	1. विश्व दलित साहित्य
(10:00 से 12:30)		2. हिन्दी साहित्य में दलित यथार्थ
		3. हिंदी दलित साहित्य में दलित चेतना
		4. प्रवासी साहित्य और डॉ. आंबेडकर की विचारधारा
पंचम सत्र	:	1. आंबेडकर की विचारधारा और विविध कलाएँ (चित्र, मूर्ति)
(12:30 से 1:30)		2. आंबेडकरी चेतना और विविध कलाएँ (वास्तु, संगीत)
		3. आंबेडकरी विचारधारा और लोक कला और लोक साहित्य

भोजनावकाश — 1 : 30 से 2 : 00

छठा सत्र	:	1. आंबेडकरी विचारधारा और पत्रकारिता
(2:00 से 3:30)		2. आंबेडकरी विचारधारा और फ़िल्म (हिंदी, मराठी, गुजराती, बंगाली)
समापन सत्र	:	
(3:30 से 5:00)		

पंजीकरण पत्र

द्वि–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय : डॉ. आंबेडकर की विचारधारा और वैश्विक साहित्य

***दिनांक :* 28–29 मार्च, 2016**

प्रतिभागी का नाम :.....

पद :.....

विभाग : .....

विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय का नाम :.....

ई–मेल : .....

दूरभाष :....., मोबाईल : .....

पंजीकरण शुक्ल :

1. पंजीकरण शुक्ल अध्यापकों के लिए रू. 2000/–
2. शोधार्थी के लिए J.R.F. रू. 1000/–
3. सामान्य विद्यार्थी के लिए रू. 500/–

मैं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेना चाहता/चाहती हूँ।

मैं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अभिपत्र प्रस्तुत करना चाहता/चाहती हूँ।

अभिपत्र का शीर्षक : .....

नोट : पंजीकरण शुल्क प्रतिभागी नगद या डी.डी. द्वारा भर सकते हैं। जो प्रतिभागी पंजीकरण राशी डी. डी. से भेजना चाहते हैं वे Finance & Accounts Officer, University of Mumbai के नाम डी.डी. बनाकर अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, रानडे भवन, कलिना, सांताकृज (पू), मुंबई 400098 इस पते पर भेजें।

ड्राफ्ट क्र : .....

बैंक का नाम : .....

दिनांक : ....., स्थान : .....

विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय की मुहर

हस्ताक्षर प्रतिभागी

संयोजक
डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
मो.नं. 07738898895
09975807915

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
डॉ. विष्णु आर. सरवदे
मो.नं. 08080819005
09869379534